राज्यपाल सचिवालय
राजभवन,जयपुर

**राज्यपाल सम्मेलन**

देश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के अधिनियमों में एकरूपता हो

# राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का कार्यकाल पांच वर्ष किया जाये

*– राज्यपाल श्री कल्याण सिंह*

- **पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया जाये**
- **राज्य में उत्पादित विशिष्ट फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लिया जाये**
- **उच्च शिक्षा में खेल दर्शन को अनिवार्य विषय बनाया जाये**
- **राज्य विश्वविद्यालयों में हुए अनेक नवाचार**

–

जयपुर, 04 जून। राजस्थान के राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि देश के सभी प्रदेशों के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के अधिनियमों में एकरूपता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का कार्यकाल पांच वर्ष किया जाना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को नई गाइडलाइन्स तैयार करने हेतु कार्य करना होगा।

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में आयोजित राज्यपाल सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। श्री सिंह ने कहा है कि ''पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना'' राजस्थान प्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। राज्यपाल श्री सिंह ने इस योजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिये जाने की आवश्यकता जताई है।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि विभिन्न राज्यों के राज्य विश्वविद्यालयों के अधिनियम अलग–अलग हैं। उन्होंने कहा कि एक राज्य में संचालित विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों के अधिनियम भी एक समान नही हैं। इससे उच्च शिक्षा में अनेक प्रकार की कठिनाइयां आ रही हैं। श्री सिंह ने देश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के अधिनियमों को एकरूप किये जाने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। उन्होंने कहा कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का कार्यकाल भी पांच वर्ष होना चाहिए।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि राजस्थान प्रदेश विशिष्ट फसलों यथा ग्वार, मोठ, चौंला, जीरा, धनिया, लहसुन, ईसबगोल, अरण्डी, ग्वारपाठा तथा मेहंदी के उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। इन विशिष्ट फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लाया जाना चाहिए।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित '' खेलो इण्डिया मिशन'' के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालयों एवं समस्त संबद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से खेलों से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि इस हेतु खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ–साथ ''खेल दर्शन'' को एक अनिवार्य विषय के रूप में नियमित पाठ्यक्रमों में शामिल करना होगा।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी व देश के भविष्य को सुदृढ़ करने में यह प्रयास लाभदायी होगा। श्री सिंह का मानना था कि इससे देश में जहां एक और स्पोर्ट्स टेलेन्ट का विकास व विस्तार होगा, वहीं दूसरी ओर खेल मूल्यों से ओत–प्रोत सुदृढ़ चरित्र व स्वस्थ मानव संसाधन का विकास भी संभव हो सकेगा।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि विकास के लिए अच्छी शिक्षा की आवश्यकता होती है। राजस्थान में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल एवं गुणात्मक परिवर्तन हुए हैं। प्रत्येक विश्वविद्यालय को ग्रामीण सरोकारों से जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय गाँव गोद लेकर उसे स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं को आजीविका व कौशल विकास के व्यापक अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी रहा है। राज्य में सार्वजनिक क्षेत्र में राजस्थान आई.एल.डी. स्किल यूनिवर्सिटी एवं निजी क्षेत्र में भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी की स्थापना के साथ अनेक नवाचार किये गये हैं।

– – –

**डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा**
**जनसम्पर्क अधिकारी, राज्यपाल**